BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:.................... **Date:..........................**

PRINT MEDIA COVERAGE ON B.R.A.BIHAR UNIVERSITY NEWS
COMPILED BY MEDIA CELL (22.03.2025)

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR, DATE:22.03.2025, PAGE-06

समर्थ पोर्टल के प्रावधानों के तहत बदलाव की शुरू हुई प्रक्रिया

विश्वविद्यालयों में मूल्यांकन ऑनलाइन करने की तैयारी

हि खास

मुजफ्फरपुर, प्रसं। बीआरएबीयू समेत सभी विश्वविद्यालयों में मूल्यांकन ऑनलाइन करने की तैयारी की जा रही है। समर्थ पोर्टल के तहत यह बदलाव की प्रक्रिया की जा रही है। शिक्षा विभाग ने सभी विश्वविद्यालयों को अपने यहां समर्थ पोर्टल के सभी मॉड्यूल को लागू करने का निर्देश दिया है।

बीआरएबीयू में समर्थ पोर्टल के नोडल अफसर प्रो राम कुमार ने बताया कि बीआरएबीयू में अभी शिक्षकों और कर्मचारियों के डाटा को पोर्टल पर अपलोड किया जा रहा है। अभी हमलोग पहले मॉड्यूल पर काम कर रहे हैं। समर्थ पोर्टल पर कॉपियों के ऑनलाइन मूल्यांकन का भी मॉड्यूल है। इसके तहत परीक्षा की कॉपियों को स्कैन कराकर केंद्र पर भेजने का काम किया जा सकता है। ऑनलाइन मूल्यांकन से रिजल्ट जल्दी जारी हो सकेगा और मूल्यांकन का सारा डाटा ऑनलाइन मौजूद रहेगा। नोडल अफसर का कहना है कि कई बोर्ड पहले से कॉपियों को स्कैन कराकर मूल्यांकन कराने का काम कर रहे हैं।

छात्रों की ग्रेडिंग भी की जायेगी ऑनलाइनः समर्थ पोर्टल के तहत छात्रों की ग्रेडिंग भी ऑनलाइन की जायेगी और पोर्टल पर इसका रिकार्ड दर्ज रहेगा। बिहार विवि समेत सभी विश्वविद्यालयों में कौन-कौन से कोर्स पढ़ाये जा रहे हैं, यह भी समर्थ पोर्टल पर दर्ज किया जायेगा। नोडल अफसर का कहना है कि कोशिश है कि जल्द से जल्द नामांकन प्रक्रिया को समर्थ पोर्टल से कराया जाये। सरकार ने भी समर्थ पोर्टल से ही दाखिला लेने का निर्देश दिया है। सूत्रों ने बताया कि बीआरएबीयू में वर्ष 2026 से समर्थ पोर्टल पूरी तरह से लागू हो जायेगा।

शिक्षकों की छुट्टी को ऑनलाइन करने पर किया जा है रहा कामः बीआरएबीयू में अभी समर्थ पोर्टल पर विवि के शिक्षकों और कर्मचारियों की छुट्टी को ऑनलाइन करने की तैयारी की जा रही है। नोडल अफसर ने बताया कि समर्थ पोर्टल पर लीव मैनेजमेंट का मॉड्यूल भी लागू करना है। इसपर हमलोग अब काम करने जा रहे हैं।

■ परीक्षा के बाद कॉपियों को स्कैन कर मूल्यांकन के लिए भेजा जाएगा

क्लास के रूटीन भी हो जाएंगे ऑनलाइन

विश्वविद्यालयों में कक्षा के रूटीन व छात्रों की उपस्थिति भी ऑनलाइन होगी। नोडल प्रो. राम कुमार ने बताया कि समर्थ पोर्टल विवि को ऑनलाइन करने की प्रक्रिया है। इसमें पूरा विवि ऑनलाइन हो जायेगा। इसके तहत शिक्षकों को प्रशिक्षण भी दिया जायेगा। समर्थ पोर्टल में शिक्षकों को रोज कक्षा की उपस्थिति अपलोड करनी होगी।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:.................... **Date:.........................**

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR, DATE: 22.03.2025, PAGE-04

पीजी कोर्स में अब तक 9155 छात्र–छात्राओं ने कराया नामांकन

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुरः बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के पीजी कोर्स में अब तक 9155 विद्यार्थियों ने नामांकन करा लिया है। विश्वविद्यालय की ओर से जारी तीसरी मेधा सूची के आधार पर नामांकन की प्रक्रिया पूरी हो गई है। पीजी विभागों से लेकर अंगीभूत और संबद्ध कालेजों में हुए नामांकन की रिपोर्ट पोर्टल पर अपडेट करा दी गई है। दूसरी ओर तीसरी मेधा सूची में नाम होने के बाद भी विभिन्न कारणों से नामांकन कराने से वंचित छात्रों ने एकबार फिर नामांकन तिथि विस्तारित करने की मांग की है। इसको लेकर शुक्रवार को कई छात्र-छात्राओं ने विश्वविद्यालय में आवेदन दिया है। विद्यार्थियों ने मांग की है कि तीन दिनों के लिए अवधि विस्तारित किया जाए। कई छात्रों ने मेरिट लिस्ट के साथ आवेदन देकर विश्वविद्यालय प्रशासन से यह मांग की है।

दूसरी ओर विश्वविद्यालय की अब तक की तैयारियों के अनुसार तीसरी मेधा सूची से नामांकन तिथि को बढ़ाया जाना मुश्किल लग रहा है। पहले ही विश्वविद्यालय की ओर से इसकी घोषणा की जा चुकी है। अब अगले सप्ताह से विद्यार्थियों को विभिन्न विषयों में खाली पड़ी सीटों पर नामांकन के लिए आनस्पाट की सुविधा मिलेगी। रविवार तक विषयवार रिपोर्ट तैयार हो जाएगी। इस आधार पर विषयवार हुए नामांकन की स्थिति स्पष्ट हो जाएगी।

सोमवार को नामांकन को लेकर बैठक कर आनस्पाट पर फैसला हो जाएगा। उल्लेखनीय है कि सत्र 2023-25 के तहत करीब 11 हजारों पर सीटों पर नामांकन के लिए विश्वविद्यालय की ओर से तीन मेरिट लिस्ट जारी की गई है।

तीसरी मेरिट लिस्ट से नामांकन अवधि बढ़ाने की मांग कर रहे विद्यार्थी, खाली सीटों पर नामांकन के लिए आनस्पाट होगा फैसला

कई विषयों में काफी कम नामांकन

विश्वविद्यालय के तहत करीब आधा दर्जन से अधिक ऐसे विषय है जिसमें काफी कम संख्या में नामांकन हुआ है। पर्सियन, मैथिली, बांग्ला, भोजपुरी, दर्शनशास्त्र, समाजशास्त्र, उर्दू में काफी कम नामांकन हुआ है।

बीत गई तिथि, कालेजों के संबंधन प्रस्ताव का अनुमोदन नहीं

20 तक संबद्धता प्रस्ताव का अनुमोदन करा विभागीय पोर्टल पर करना था अपलोड

विश्वविद्यालय ने उच्च शिक्षा विभाग से किया आग्रह, संबंधन प्रस्ताव ई-संबंधन पोर्टल पर अपलोड करने की तिथि एक माह हो विस्तारित

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुरः बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में नए शैक्षणिक सत्र के लिए तीन दर्जन से अधिक कालेजों के संबंधन से संबंधी प्रस्ताव पर अनुमोदन नहीं होने के कारण इसे विभागीय पोर्टल पर अपलोड नहीं किया जा सका है। चौंकाने वाली बात यह है कि शैक्षणिक सत्र 2025-29 के लिए स्नातक स्तरीय महाविद्यालयों के संबंधन से संबंधित प्रस्ताव आनलाइन पोर्टल पर 20 मार्च तक ही अपलोड करना था। तिथि बीत गई, लेकिन अब तक बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में प्रस्तावों का अनुमोदन ही विभिन्न स्टैच्युटरी बाडी से नहीं हो सका है। पिछले दिनों न्यू टीचिंग एंड एफिलेशन कमिटी की बैठक हुई थी। इसमें दो दिनों में कालेजों के संबंधन प्रस्ताव को सशर्त मंजूरी दी गई थी। इसके बाद एकेडमिक काउंसिल की बैठक में सदस्यों ने मानकों को पूरा नहीं करने के बाद भी संबंद्धन प्रदान किए जाने का आरोप लगाकर इसकी जांच कराए जाने की मांग की थी। इस आधार पर एकेडमिक काउंसिल के सदस्यों ने सीनेट की बैठक से पहले सभी मानकों के आधार पर कालेजों की जांच के बाद ही उन्हें संबद्धता प्रदान करने की बात कही थी। जांच के लिए कुलपति को अधिकृत किया गया था। दूसरी ओर पूर्व में 27 मार्च को सीनेट की बैठक होनी थी, लेकिन राजभवन के निर्देश पर इसकी तिथि विस्तारित करते हुए 12 अप्रैल को गई है। ऐसे में सीनेट के बाद भी सभी प्रक्रिया को पूर्ण करने में अधिकतम एक महीने का समय लग सकता है। विश्वविद्यालय ने उच्च शिक्षा विभाग को पत्र भेजकर अनुरोध किया है कि संबंधन प्रस्ताव को ई- संबंधन पोर्टल पर अपलोड करने की तिथि एक महीने विस्तारित की जाए। उच्च शिक्षा के निदेशक सह सचिव अजय यादव ने राज्य के सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति को पत्र भेजकर अगले शैक्षणिक सत्र के लिए संबंधन प्रस्ताव को अनुमोदन के बाद पोर्टल से उपलब्ध कराए जाने का निर्देश दिया था।